

24/10

पत्रावली पेश करने पर प्रत्यक्ष तथा वकील
प्रत्यक्ष को धारे-धारे अन्वय बगैरे के
अन्वय = प्रामाण्य नहीं मान
या नबोकेन 212 RIA कइय हापरी कइय
पुस्तिका के अन्वय किन्तु पत्रावली पेश
शुभल होय नम्वल के कत व दाखिल
कइय है
मुता